रामदेवरा मेले के लिए यात्रीभार के अनुरूप ट्रेनें संचालित होगी

जोधपुर, (कांस)। इसी माह 25 अगस्त से प्रारंभ हो रहे प्रसिद्ध रामदेवरा मेले में यात्रियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। ट्रेन से आने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा खास व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। यात्रियों की संख्या के अनुपात में मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन, जोधपुर, रामदेवरा और पोकरण रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के ट्रेन के अनारक्षित टिकट लेने के लिए विशेष काउंटर्स स्थापित करने, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, उचित गुणवत्ता वाले खानपान की सुविधा, पर्याप्त रोशनी, चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता तथा यात्रियों की सुरक्षा के बंदोबस्त हैं।

जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने इस संबंध में बताया कि रामदेवरा मेले में लाखों जातरुओं की सुविधाजनक यात्रा को लेकर रेल प्रशासन पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है तथा इस बार भी उनके लिए सभी मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता की जा रही है। उन्होंने बताया कि जोधपुर,फलोदी और रामदेवरा स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास का कार्य प्रगति पर है।

इसके बावजूद यात्रियों की आरामदायक यात्रा पर कोई असर नही पड़ने दिया जाएगा तथा इस दौरान उनकी सुरक्षा पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि रामदेवरा मेला अवधि के दौरान जोधपुर, रामदेवरा, पोकरण आशापुरा गोमट रेलवे स्टेशनों पर जातरुओं की आमतौर पर आवाजाही अधिक रहती है जिसे ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं तय की गई है तथा इनकी समयबद्ध सुनिश्चितता हेतु पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त रेलवे स्टाफ की तैनाती भी की जाएगी।

स्पेशल ट्रेनों का होगा संचालन

रामदेवरा मेला के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले जातरुओं की संख्या के अनुपात से जोधपुर और अन्य स्टेशनों से रामदेवरा और पोकरण स्टेशनों के मध्य जरूरत के हिसाब से स्पेशल ट्रेनों के संचालन का प्लान किया जाएगा, जिससे यात्रियों का सफर सुगम होगा। मौजूदा समय में यात्रियों की सुविधा हेतु 1 अगस्त से 7 सितंबर तक दस डिब्बों की अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन प्रारंभ किया गया है।

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर विशेष इंतजाम होंगे

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर रामदेवरा मेले में बड़ी संख्या में आने वाले जातरुओं की साथ-साथ अन्य यात्रियों की भी सुविधा की भी उचित मॉनिटरिंग के लिए रेलवे स्टाफ को निर्देश दिए गए हैं इसके तहत प्लेटफॉर्म, वेटिंग रूम, शौचालय और ट्रेनों में उचित साफ-सफाई, लिफ्ट और एस्केलेटर्स का नियमित और निर्बाध संचालन, ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, अनाधिकृत वेंडर्स के स्टेशन व ट्रेनों में आगमन पर रोक और पर्याप्त रोशनी व्यवस्था इत्यादि प्रमुख हैं। यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए रेलवे स्टेशन के माल गोदाम के पास हमेशा की तरह अस्थाई टॉयलेट और स्नान घर ब्लॉक के निर्माण के निर्देश दिए गए हैं।

जातरूओं की सुरक्षा होगी चाक चौबंद

मेला अवधि के दौरान रामदेवरा जाने और लौटने वाले जातरुओं की सुरक्षा हेतु रेलवे ने विशेष सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं। जिसके तहत असामाजिक तत्वों और जेबकतरों से सख्ती से निबटने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल को

रात पर बहेगी की संगीत की सरिता

पाली, (नि.सं.)। लखोटिया सेवा समिति की ओर से हर साल की तरह सावन के अंतिम सोमवार को आज एक शाम लखोटिया के नाम अंतरराष्ट्रीय 36 वीं भजन संध्या होगी। लखोटिया सेवा समिति के संस्थापक सदस्य नेमीचंद देवड़ा ने बताया कि भैरूघाट से लखोटिया तक वेरीकटिंग लगाकर मार्ग सही किया हैं। भजन संध्या स्थल पर भी स्टेज साउंड सिस्टम बेरी कटिंग लगाकर मैदान तैयार किया। लखोटिया महादेव मंदिर की कृत्रिम फूलों से विशेष सजावट की गई। मेला मैदान में लाइटिंग की गई। अंतर्राष्ट्रीय भजन संध्या में राजस्थान के अलावा विभिन्न जगह से भी गायक कलाकार पहुंच कर प्रस्तुति देंगें। प्रसिद्ध कलाकार रमेश माली, प्रकाश मालीद्व महेंद्र सिंह राठौड़, आशा वैष्णव, मोइनुद्दीन मनचला सहित कलाकार अपनी प्रस्तुति भी देंगे। रात्रि 8 बजे से भजन संध्या शुरू होकर सुबह 5 बजे तक चलेगी। साधु संतों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कई राजनेता भी भाग लेंगे। तैयारी में कमेटी के बाबू बोराणा, दलपत सिंह राजपुरोहित, राकेश भाटी, रमेश सिंह, मानक भाई, लक्ष्मण पंवार, मोहनलाल सहित कार्यकर्ता जुटे हुए हैं।

जोगाराम पटेल ने विद्यालय भवन का लोकार्पण किया

जोधपुर, (कांस)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा क्षेत्र लूणी के ठाम पंचायत लोरड़ी देजगरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय केरियानाडा में 51.58 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित विद्यालय भवन का विधिवत लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

पटेल ने कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा और विद्यालयों के अवसंरचनात्मक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने पिछले दो बजट में शैक्षिणक भवनों के लिए 625 करोड़ रुपये स्वीकृत किए है। उन्होंने कहा आधुनिक और उन्नत शैक्षिणक ढांचे से विकसित राजस्थान का स्वप्न साकार होगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा डबल इंजन की सरकार संपूर्ण राजस्थान में समुचित जलापूर्ति के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा पूर्वी राजस्थान के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, पश्चिमी राजस्थान के लिए जवाई बांध का पुनर्भरण और लिफ्ट कैनाल फेज तृतीय के कार्य प्रगतिरत है। इन परियोजनाओं का काम पूरा होने पर पेयजल, कृषि और उद्योग के लिए आवश्यकता के अनुरूप पानी उपलब्ध होगा।

पटेल ने कहा प्रवासी राजस्थानियों को उनके गांवों से जोड़कर परंपरागत जल-स्त्रोतों की संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा इस अभियान के तहत प्रवासी राजस्थानियों द्वारा रिचार्ज और जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण में आर्थिक और तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है और अगले चार वर्षों में 45 हजार जल संरचनाएं निर्मित की जाएगी।

पटेल ने कहा राज्य सरकार किसानों को संबल देने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं चला रही है। शेष 6 करोड़ 87 लाख रूपये शीघ्र किसानों के खातों में जमा होंगे।

पटेल ने कहा बाजरे को पोषक अनाज श्रीअन्न के रूप में शामिल कर इसके उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह न केवल किसानों के लिए बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने कहा अधिक से अधिक लोग बाजरे को अपने आहार में शामिल करें।

रोहिल्ला खुर्द में प्रवेश द्वार व जल मंदिर का लोकार्पण

संसदीय कार्य मंत्री ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रोहिल्ला खुर्द में स्वर्गीय पूरारामजी की स्मृति में उनके परिवार द्वारा निर्मित प्रवेश द्वार और जल मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया गया। उन्होंने विद्यालय विकास में भामाशाहों की पहल को सभी के लिए प्रेरणादायक बताया।

भारतीय सांस्कृतिक चेतना की वाहक है संस्कृत : दाधीच

जालोर के सेवा भारती कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं) । सेवा भारती कार्यालय जालोर में रविवार को संस्कृत भारती कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित संगोष्ठी में प्रांत संपर्क प्रमुख महेशचंद्र दाधीच ने बताया कि सभी भारतीय भाषाओं के मूल में संस्कृत है वेदों से लेकर सभी भारतीय भाषाओं के ग्रन्थों में मूल तत्त्व संस्कृत भाषा में समाहित है।

उन्होने कहा कि पाली, प्राकृत, तमिल, तेलगु, कन्नड, व साहित्य में विषय वस्तु से लेकर शब्दावली का आधार पाणिनि का व्याकरण है । भाषा के परिष्कार के लिए संस्कृत शब्दों को स्वीकार किया है। संस्कृत सभी भाषाओं के बीच में सेतु का कार्य करता है।

जैन व बौद्ध ग्रंथों में संस्कृत को प्रमुख रूप से अपनाया है इसलिए भारतीय संस्कृति चेतना का वाहक संस्कृत है। भारत में स्वत्त्व का जागरण संस्कृत को अपनाकर किया जा सकता है जो आज का युगधर्म है भारत को अपनी महान संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए हमारा उदान्त विचार वसुधैव कुटुम्बकम विश्व शांति के लिए महती भूमिका निभा सकता है । हमें संस्कृत को जनमानस में पुन: स्थापित करना होगा यह आज के युग की आवश्यकता है, योग, आयुर्वेद, ज्योतिष, स्थापत्य, खगोलशास्त्र संस्कृत भाषा के ग्रन्थों में है । विश्व कल्याण की भावना से इन ग्रंथो के विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्कृत को जन भाषा बनानी होगी। इस चिंतन के साथ संस्कृत भारती कार्य करती है सैकडो परिवारों ने संकल्प लेकर अपनी मातृभाषा के रूप में अपनाया है।

संभाषण शिविरों के माध्यम से लाखों लोगों ने संस्कृत में बोलने का सामर्थ्य प्राप्त किया है। भारत में 8 ग्राम संस्कृत ग्राम बन गए हैं संस्कृत भारती का कार्य विस्तार वर्ग, क्षेत्र की सीमाओं से आगे बढकर आम जन में कार्य करता है। घर बैठे संस्कृत सीखने के लिए पत्राचार द्वारा संस्कृत शिक्षण योजना बहुत महत्वपूर्ण योजना है प्रवेश, परिचय, शिक्षा, कोविद चार स्तर से संस्कृत संभाषण का सामर्थ्य आ जाता है इस योजना को हर घर तक पहुंचाने का अभियान चलाना होगा । सभी कार्यकर्ता इस पवित्र कार्य में अपना योगदान दे यह आहवाहन किया गया।

इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी भंवरलाल परमार, अति जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र कुमार परमार, शिक्षाविद शांतिलाल दवे, हीरसिंह राङ्गौड, सुरेंद्र गर्ग, हितेश कुमार ने इस अभियान में सहयोग करने का संकल्प लिया ।

संगोष्ठी में प्रांत पत्राचार योजना प्रमुख दिनेश गौड, जनपद अध्यक्ष कल्पेश बोहरा, जिला मंत्री खुशवंत नाग, सुरेंद्र कुमार, देवांश दवे, राहुल कुमार व भव्य दवे सहित जिला कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे।

महिला बंदी सुधार गृह जोधपुर का निरीक्षण

जोधपुर, (कांस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा जारी माह अगस्त-2025 के एक्शन प्लान के तहत डॉ. मनीष हरजाई, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), जोधपुर जिला द्वारा महिला बंदी सुधार गृह, केन्द्रीय कारागृह, जोधपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

- **निरीक्षण के दौरान महिला बंदी गृह के रसोईघर, स्वच्छता व्यवस्था, बंदियों के रहन-सहन आदि का अवलोकन किया**

निरीक्षण के दौरान सचिव ने महिला बंदी गृह के रसोईघर, स्वच्छता व्यवस्था, बंदियों के रहन-सहन आदि का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों से संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य की स्थिति, लंबित प्रकरणों तथा उनके पक्ष में नियुक्त अधिवक्ताओं की पैरवी की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान सचिव महोदय द्वारा जेल में संचालित जेल विधिक सहायता क्लिनिक का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि यदि किसी बंदी के पास अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, तो ऐसे मामलों में नि:शुल्क विधिक सहायता के अंतर्गत फॉर्म भरवाकर संबंधित जानकारी शीघ्रता से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित की जाए, ताकि उन्हें यथासंभव शीघ्र विधिक सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

निरीक्षण के उपरांत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सचिव डॉ. मनीष हरजाई द्वारा महिला बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी गई।

भीतर के दोषों से मुक्त होना जीवन का सार : सुमति मुनि

जयमल पाठशाला के सभी केन्द्रों के बच्चों ने जोधधुर के चौरड़िया भवन में आयोजित धर्म संस्कार पाठशाला में उत्साहित होकर भाग लिया।

जोधपुर, (कांस)। जयमल पाठशाला के सभी केन्द्रों के बच्चों ने आज चौरड़िया भवन में आयोजित धर्म संस्कार पाठशाला में उत्साहित होकर भाग लिया। सुमति मुनि ने बच्चों को बोध देते हुए धर्म संस्कार प्रदान किया।

चौरड़िया भवन में विराजित सुमति मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि भीतर के दोषोंसे मुक्त होना ही जीवन का सार है। हमको छोटी सी गलती भी बड़ी गलती लगनी चाहिये। संयम में मर्यादा में रहना होता है। हमसे बड़े यदि हमें कुछ भी कहे, चाहे हमारी गलती हो या नही हो, तो भी उनकी बात सुनकर आज्ञा को मानना चाहिए। बड़ों के प्रति सद्भाव रखे।गुरु भगवंत हमारे घर पधारते हैं तो वह हमें बहुत सा देने के लिए आते हैं। हमारे घर से इसलिए लेते हैं कि हमको मालूम ही नहीं पड़े कि गुरु हमें दे रहे हैं। जगत के सब जीवों को निर्दोष मानकर उनके प्रति सद्भावना रखें।

इससे पूर्व साध्वी नगीना श्रीजी ने कहा वात्सल्य को टिकाना हो तो ईर्ष्या व द्वेषभाव को त्यागना होगा। कान भरने वालों की संगत से दूर रहो।

प्रदर्शन करने से दूसरों में ईर्ष्या भाव प्रकट होकर अनर्थ हो जाता है। इर्ष्या वंश महासंग्राम होता है। ईर्ष्या व प्रशंसा पचती नहीं है।

अध्यक्ष देवराज बोहरा ने बताया कि प्रवचन सुनने श्रावकों की भीड़ हर दिन बढती ही जा रही है। दूसरी तरफ तपस्याओं का दौर भी जारी है।

आज अजय खिंवसरा ने 24, वंश समदड़िया ने 7 एवं सुमित्रा ने 12 की तपस्या ग्रहण की।

दूसरी तरफ अमरनगर के उजी तारा त्रिस्तुतिक जैन संघ भवन में चल रही नवकार मंत्र आराधना के तीसरे दिन साध्वी कल्पलता, सौम्यगुणा एवं वैराग्यगुणा श्रीजी मसा. की पावन निश्रा में णमो आयरियाणं पद की महिमा पर कहा कि आचार्य वे होते हैं जो धर्म का सही मार्ग दिखाते हैं।

हमें संयम, त्याग और आत्मशुद्धि की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। वे जैसा जीते हैं, वैसा ही हमें भी जीने की सीख देते हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य उपदेशक नहीं होते, वे स्वयं जो आराधना करते हैं, उसी मार्ग पर हमें भी चलाते हैं।

बोरानाडा थाना इलाके में चोरों ने तीन चोरी की

जोधपुर, (कांस)। जोधपुर के बोरानाडा थाना इलाके में चोरों ने तीन अलग-अलग जगह चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सभी पीड़ित थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई।

नरेंद्र पुत्र छेलाराम बाघराणा की तरफ से दी गई रिपोर्ट में बताया कि उसके देवासियों की ढाणी पाल स्थित घर पर चोर शुक्रवार रात के करीब 2.28 बजे ताला तोड़कर घुस गए और कैमरे को तोड़ दिया। आवाज सुनकर घर के पड़ोसी के जागने पर वह प्रिंटर और कैमरे का एसएमपीएस चुराकर भाग गए।

दूसरी वारदात इन चोरों ने रात करीब 3:30 बजे जगदीश प्रसाद पुत्र करनाराम सुथार के भरत विहार स्थित घर पर की। चोरों ने कैमरा चोरी करने की नीयत से ताले तोड़े और इस दौरान करनाराम के जैन पाव अपनी मोटरसाइकिल लेकर कर भाग गए।

तीसरी वारदात करीब सुबह 4 बजे प्रकाश पुत्र विरमाराम बिश्नोई के साकेतपुरम देवासियों की ढाणी पाल स्थित घर में की। विरमाराम के अनुसार घर के मुख्य गेट के ऊपर से कूद कर कर घर के अंदर घुसे और घर का पूरा सामान कपड़े, आलमारी कॉस्मेटिक आइटम, बेड में रखी कम्लबल , शोल आदि अस्त-व्यस्त कर दिया। इस दौरान बाहर सड़क पर वाहनों की आवाज सुनकर और पड़ोसियों के जागने पर जल्दबाजी में कर घर में रखे पुरानी मिक्सी लेकर भाग गए। भागते समय प्लास , पेचकश , बड़ी साइज का चाकू छोड़ गए। तीनों पीड़ितों में पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर चोरों को पकड़ने की गुहार लगाई है।

जसोलधाम में राष्ट्रीय सेविका समिति जोधपुर प्रांत की प्रांत बैठक संपन्न

बालोतरा, (नि.सं.)। श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल प्रांगण में राष्ट्रीय सेविका समिति, जोधपुर प्रांत की दो दिवसीय प्रांत बैठक का सफल आयोजन 2 और 3 अगस्त को हुआ। इस बैठक में जोधपुर प्रांत की विभिन्न इकाइयों से आई कुल 150 सेविकाओं ने भाग लेकर संगठनात्मक दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

- **150 सेविकाओं ने संगठनात्मक दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया**

श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान जसोल के अध्यक्ष रावल किशन सिंह ने राष्ट्रीय सेविका समिति जोधपुर प्रांत की बैठक को संबोधित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

गौरतलब है कि राष्ट्रीय सेविका समिति की स्थापना 1936 में विजयादशमी के दिन की गई थी, और इस वर्ष संगठन अपने 90 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर रहा है। यह विश्व का सबसे बड़ा महिलाओं का स्वयंसेवी संगठन है, जो भारतीय संस्कृति, राष्ट्रप्रेम एवं सेवा के मूल्यों पर आधारित संगठित समाज की रचना हेतु कार्यरत है। समिति का उद्देश्य स्वालंबी, निडर और समर्पित मातृशक्ति का निर्माण करना है, जो राष्ट्र को परम वैभव की दिशा में ले जाए।

बैठक में सेविकाओं के बीच अनुशासन, समय पालन, आत्मरक्षा, साहस, नेतृत्व क्षमता, निर्णय क्षमता, शौर्य, समर्पण और सेवा भावना जैसे गुणों के विकास पर केंद्रित विविध सत्र आयोजित किए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल ने कहा, "नारी शक्ति समाज की रीढ़ है। वह एक बेटी, बहन, पत्नी और माँ के रूप में हर भूमिका में समाज को दिशा देने का कार्य करती है। आज की नारी घर तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विज्ञान, राजनीति, खेल, प्रशासन और व्यापार जैसे क्षेत्रों में भी नेतृत्व कर रही है। आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आत्मसम्मान और आत्मरक्षा आज की नारी के प्रमुख स्तंभ हैं।" महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी से देश के विकास में भी योगदान होता है। जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, हमें संरचनात्मक बाधाओं को दूर करने, शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने, और महिलाओं को राजनीतिक प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है।

इस दो दिवसीय बैठक में श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोलधाम की ओर से बैठक की संपूर्ण व्यवस्थाएं भव्य और सुसंगठित रूप से की गईं, जिससे प्रतिभागियों को अनुकूल वातावरण मिला।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख एवं वायव्य क्षेत्र कार्यवाहिका वंदना वजीरानी, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमिला शर्मा, जोधपुर प्रांत कार्यवाहिका सुमन रावलोत और प्रांत प्राचारिका रितु शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सेविकाओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन के उद्देश्यों को विस्तार से समझाया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देने का आहवान किया। बैठक संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक रही। साथ ही साथ सेविकाओं के व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को भी सशक्त करने वाली सिद्ध हुई।

परिवार हरिद्वार गया, चोर घर से माल ले गए

जोधपुर, (कांस)। सामाजिक रीति रिवाज करने हरिद्वार गये परिवार के घर में चोरों ने सेंध लगा दी। चोरों ने पीछे के रास्ते सूने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। चोर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुरा ले गए। घटना जोधपुर शहर के भीतरी क्षेत्र खांडा फलसा थाना क्षेत्र की है।

खांडा फलसा थाने में राजेंद्र प्रकाश बोहरा की ओर से रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट में बताया कि उनके घर से थोड़ी दूरी पर उनके बड़े भाई ओमप्रकाश बोहरा का मकान है, उनके बड़े भाई 30 जुलाई को पूरे परिवार सहित हरिद्वार गए हुए थे। मकान के बाहर ताला लगा हुआ था । 2 अगस्त को सुबह 3:00 बजे से 5:00 के बीच चोर ने मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और सोने चांदी के जेवरात और नगद रुपए चुरा कर ले गए।

चोर मकान से 2 तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र, कान का सेट, हाथ का सोने से बना हुआ कड़ा, दो तोला वजनी सोने की चेन, कान की बालियां, साढे 3 तोला वजनी कान के लूंग, चांदी का जग, प्याला, चांदी के कड़ले, पायल सहित घर में रखा चांदी का घरेलू सामान चुरा कर ले गए ल। इसके अलावा चोर 100 रुपए की दो गड्डी, 50 रुपए की एक गड्डी सहित करीब 80 हजार रुपए नगद चुराकर ले गया।

पौधारोपण होगा

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर पत्थर व्यापार एवं मिनरल संघ के माध्यम से जेठवाई रोड पर मोहता सर तालाब के किनारे 2 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी बाबूलाल शर्मा के अनुसार रविवार को पौधों की सुरक्षा के लिये तारबंदी की।

कार्यक्रम के जिला प्रभारी चंद्रप्रकाश सारदा ने जानकारी देते हुए बताया कि एक पेड़ माँ के नाम के अभियान की सफलता के लिये पौधों की सुरक्षा भी की जायेगी।

पाली में सेवादल की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

जिला कांग्रेस सेवादल की जिला स्तरीय बैठक राजीव गांधी स्मृति भवन कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस सेवादल उपाध्यक्ष एवं जोधपुर-उदयपुर संभाग जोन प्रभारी मोहन हटेला के मुख्य आतिथ्य एवं पाली जिला कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। जिला कांग्रेस सेवादल की जिला स्तरीय बैठक राजीव गांधी स्मृति भवन कांग्रेस कार्यलय पाली में प्रदेश कांग्रेस सेवादल उपाध्यक्ष एवं जोधपुर-उदयपुर संभाग जोन प्रभारी मोहन हटेला के मुख्य आतिथ्य एवं पाली जिला कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गईं।

बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जोन प्रभारी मोहन हटेला ने अपने सम्बोधन मे कहा की प्रदेश सेवादल तीन महीने तक सम्पूर्ण राजस्थान के समस्त जिलों मे सगठन सर्जन सहयोगी प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से 20 हजार से अधिक श्वेत सैनिक तैयार किये जायेगें जिसकी शुरुआत 11अगस्त से होगी। हटेला ने यह भी कहा की कांग्रेस सेवादल कांग्रेस पार्टी का महत्वपूर्ण अंग हैं। ऐसे में शिविर में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं का चयन अंतिम छोर के बूथ लेवल पर करना होगा, ताकी पार्टी को और अधिक मजबूती मिल सके।

पाली जिला कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने कहा की पाली जिले में जिला कार्यकर्ताओं के तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर मे चार सौ से अधिक सख्या मे सेवादल कार्यकर्त्ता शिविर में भाग लेगे। जिसकी तैयारी के लिए विधानसभा एवं ब्लॉक स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रत्येक ब्लॉक मे पचास गणवेशधारी कार्यकर्त्ताओ की शिविर मे भागीदारी सुनिचित की गईं।

बैठक को पाली जिला कांग्रेस सेवादल महिला जिलाध्यक्ष फरीदा बानो पठान, जसाराम परिहार, रामसिंह इंदा, भूराराम देवासी, भेरुसिंह गुजर, राजेश कुमार वैष्णव, गुलाब सोडा, नारायण लाल पूछल, सोजत ब्लॉक अध्यक्ष असलम मेहर, मूलाराम मीणा, एडवोकेट लक्ष्मण कुमार मेघवाल, जगदीश प्रजापत, ओटाराम बीजापुर, भोमाराम बासनी, सोहन पालीवाल ने अपने विचार व्यक्त किये इस इस बैठक मे नारायण लाल पुच्छल, विनोद चांवरिया, रमेश बावल, नेमाराम सुथार, मोहन बिश्नोई, रामचन्द्र गहलोत, चुन्नीलाल सीरवी, सलीम शाह, इब्राहिम शाह, नैनाराम हेमावास, मांगीलाल पंवार, सोहन सिंह, मोहम्मद सलीम, धन्नाराम मानपुरा, कानाराम काग, मोहनलाल पंवार आदि मौजूद रहे।